विषय सूची

प्रथम अध्याय १—१०

मंगल और लोकोत्तम, पूज्य, पूजा के प्रकार, स्थापना पूजा, जैन बिम्ब निर्माण की प्राचीनता, जैन प्रतिमा विज्ञान के आधार ग्रन्थ।

द्वितीय अध्याय ११—१८

जैन मंदिर और प्रतिमाएं, मंदिर निर्माण के योग्य स्थान, प्रतिमा घटन द्रव्य, गृह पूज्य प्रतिमाए, अपूज्य प्रतिमाएं, भग्न प्रतिमाएं, जिन प्रतिमा लक्षण, अर्हत्, सिद्ध, आचार्य और साधुओ की प्रतिमाएं।

तृतीय अध्याय १९—२७

तालमान, विभिन्न इकाइया, दशताल प्रतिमाएं, कायोत्सर्ग प्रतिमाएं, पद्मासन प्रतिमाएं, सिंहासन का मान, परिकर का मान, प्रातिहार्य योजना।

चतुर्थ अध्याय २८—४४

काल रचना, चौदह कुलकर, त्रिषष्टि शलाका पुरुष, चतुर्विंशति तीर्थंकर, पञ्चकल्याणक, तीर्थंकरो के लाछन, दीक्षावृक्ष, समवशरण, प्रतीहार, निर्वाणभूमि, नवदेवता, अष्ट प्रातिहार्य, अष्ट मंगल द्रव्य।

पचम अध्याय ४५—५२

चतुर्निकाय देव, भवनवासी, व्यन्तर, ज्योतिष्क और वैमानिक।

षष्ठ अध्याय ५३—६५

श्रुतदेवता, सरस्वती, षोडश विद्यादेवियां।

सप्तम अध्याय ६६—११२

शासन देवता, चतुर्विंशति यक्ष, चतुर्विंशति यक्षी, शासन देवताओ की उत्पत्ति, हिन्दू और बौद्ध प्रभाव, विशिष्ट यक्ष, अनावृत यक्ष, सर्वाह्न यक्ष, ब्रह्मशान्ति यक्ष, तुम्बरु यक्ष, शान्तिदेवी, कुबेरा यक्षी, षष्ठी, कामचण्डाली।

अष्टम अध्याय ११३—११४
क्षेत्रपाल, विभिन्न रूप, गणपति ।

नवम अध्याय ११५—११७
अष्ट मातृकाएं ।

दशम अध्याय ११८—१२१
दस दिक्पाल, वाहन, आयुध, दिक्पालों की पत्नियां, दिक्कुमारिकाएं ।

एकादश अध्याय १२२—१२४
नव ग्रह ।

परिशिष्ट एक १२५—१३६
तालिकाएं ।

परिशिष्ट दो १३७—२००
जैन प्रतिमालक्षण

देशना २०१—२११

ग्रन्थ निर्देश २१२—२१५

शुद्धि पत्र २१६

रेखाचित्र फलक अन्त में